(d) आत्माभिव्यक्ति ... आवश्यकताओं की पूर्ति में बाधा

जहाँ भी उसकी इन आवश्यकताओं की पूर्ति में बाधा पड़ती है वह मानसिक तथा संवेगात्मक रूप से बहुत अशांत हो जाता है इससे कुसमायोजन (Maladjustment) को जन्म मिलता है और वह धीरे धीरे एक समस्यात्मक बालक (Problemetic Child) बन जाता है। 2-Page

लक्षण - (Syndrom) - जिज्ञासु, ज्ञान पिपासु, गहन अर्थ रखने वाले अधिक प्रश्न पूछना, प्राय: अध्यापक तथा अभिभावक उसकी मूल प्रकृति की परवाह किये बिना उसे बुरी तरह झिड़क देते हैं। कभी कभी जब वह अपनी सृजनात्मकता, अन्वेषण प्रवृत्ति तथा मौलिकता के लिए उनसे प्रशंसा के दो शब्द चाहता है तो उसे कटु आलोचना और बुरे व्यवहार का शिकार होना पड़ता है। इस परिस्थिति में अध्यापक द्वारा दिखाई गई थोड़ी सी भी लापरवाही अथवा असहानुभूतिपूर्ण व्यवहार उसे और भी अधिक विचलित कर देता है फलस्वरूप वह एक समस्यात्मक बालक बन जाता है